EPC - 3 B.Ed (2022)

प्रश्न। सूचना तथा संचार तकनीकी की अवधारणा को समझाएँ.

उ.:- आधुनिक मानव औद्योगिक क्रान्ति के बाद सूचना क्रांति में प्रवेश कर चुका है। आजकल सूचना क्रांति ने मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित किया है। संचार प्रौद्योगिकी जैसा कि इसके नाम से ही ज्ञात होता है कि यह समग्र सूचनाओं को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया है। यह आधुनिक युग में दुर्लभ वरदान बनकर उभरी है।

प्रदत्त एवं सूचना ÷ प्राय: किसी चर की कीमत, मात्रा, अथवा गुण को प्रदत्त रूप में प्रकट करते है। इस प्रकार हम कह सकते है कि प्रदत्त एक प्रकार के तथ्य, प्रेक्षण, अवधारणाए एवं धारणाए है। इनका उपयोग विवेचन करने, निर्णय लेने, गणना करने तथा मापन में किया जाता है।

सूचना की व्युत्पत्ति प्रदत्त से होती है। प्राय: ऐसा कहा जाता है कि प्रदत्त एक प्रकार की मूल सामग्री है जिनसे सूचनाओं की उत्पत्ति होती है। प्रदत्तों में स्वयं अपना कोई अर्थ नहीं होता अत: उन्हें अपूर्ण माना जाता है।

किन्तु इसके विपरीत यह भी सत्य है कि सूचनाएँ ही मूल सामग्री के रूप में कार्य करती है। जैसे- हम एक कार्यालय में कार्यरत व्यक्तियों के नाम, आयु, शिक्षा, लिंग, पद, नियुक्ति की तारीख एवं अवधि आदि प्रदत्तों को संकलित करते है। तथा उन प्रदत्तों के विश्लेषण के आधार पर सम्पूर्ण कार्यालय की सामान्य रूपरेखा का परिचय प्राप्त करते है।

सूचना एवं संचार तकनीकी के शिक्षा में महत्व :

आधुनिक सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी ने हमारे दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावित किया है।

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी : छात्र-छात्राओं के लिए सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का उपयोग निम्नलिखित कार्यों में हो सकता है –

i) सूचनाओं को समग्र रूप से एकत्रित करेंगे।

ii) विद्यार्थी सूचना के स्त्रोतों से परिचित हो सकेंगे।

iii) इसके द्वारा समस्या समाधान की योग्यता और निर्णय क्षमता का प्रशिक्षण ग्रहण करेंगे।

शिक्षकों के लिए उपयोगी : इससे शिक्षकों को निम्नलिखित लाभ होंगे –

i) प्रभावी शिक्षण कार्य हेतु उन्हें विभिन्न प्रकार की सूचनाओं, आँकड़ों और जानकारी की आवश्यकता होती है। इसमें ICT का महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

(ii) ICT शिक्षण दायित्वों को निभाने में उनकी सहायता कर सकती है।

(iii) विद्यार्थियों को भी ज्ञान एवं सूचना के स्त्रोतों से अवगत कराकर शिक्षक अपने कार्यभार को कुछ हल्का कर सकते हैं।

3. मार्गदर्शकों के लिए उपयोगी : निर्देशन एवं परामर्श सेवाएं चाहे उनका संचालन विद्यालय परिसर में हो या अन्य संस्थानों में ICT हमेशा ही सहायक सिद्ध हो सकती है।

4. शैक्षिक नियोजकों एवं प्रशासकों के लिए उपयोगी : ICT नियोजन एवं प्रशासन से संबंधित विभिन्न कार्यों की दृष्टि से सहायक होती है-

(i) शिक्षा संबंधी गतिविधियों का ठीक प्रकार से संचालन करने में ICT मूल्यवान सिद्ध हो सकती है।

(ii) किसी भी प्रकार का योजनाबद्ध कार्य बिना उपयुक्त सूचनाओं, जानकारी एवं आंकड़ों के अभाव में पूर्ण नहीं हो सकती है - जैसे - छात्रों को किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश देना परिणाम आयोजित करना इत्यादि जैसे सभी कार्य ICT के द्वारा भली-भाँति हो सकती हैं।

⇒ सूचना एवं संचार तकनीकी - लक्ष्य एवं उद्देश्य -

सूचना-सम्प्रेषण तकनीकी के शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में निम्नलिखित लक्ष्य है -

1. शिक्षा एवं अनुसंधान जनित विषय सामग्री का अधिकाधिक संचार करना, हस्तांतरण करना एवं समाज के प्रत्येक मानव तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना।

2. वर्तमान पीढ़ी को प्रभावी 'साइबर शिक्षा एज' (cyber Education Age) में भली-भाँति प्रतिस्थापित करना। जिससे छात्र अपने computer पर on-line शिक्षा प्राप्त कर सकें।

3. राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे -

   ISRO - Indian space Research organization

   NCERT - National council of Educational Research of Training.

   IGNOU - Indira Gandhi National open University

   आदि के शैक्षिक कार्यक्रमों का जनसंचार करना।

4. पारम्परिक पुस्तकालयों के स्थान पर डिजीटल पुस्तकालयों की नींव रखना।

5. राष्ट्र के आर्थिक विकास में सहायता देना जैसे - ई-मेल, A.T.M, तथा credit card आदि को अधिकाधिक प्रचलित करके आर्थिक नींव मजबूत करना।

उद्देश्य :

ICT के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

1. अन्य देशों के उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए।

2. अपने उद्योगों की सहायता के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु।

3. ICT से संबंधित सुविधाओं को लागू करने में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना।

4. अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों जैसे - विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ भारत के हितों की रक्षा करने के लिए।

5. संयुक्त परियोजनाएं शुरू करना जैसे IT संस्थान, software पार्क, संयुक्त अनुसंधान विकास के लिए।

6. व्यापार मेलों, संगोष्ठियों में भाग लेकर दुनिया भर में भारत की ~~सुरक्षा~~ ICT का सामर्थ्य का प्रदर्शन।